इरेडा के सीएमडी ने विजाग (आंध्र प्रदेश) में जिंदल ग्रुप के अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) प्लांट का दौरा किया

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2022

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने इरेडा के निदेशक (तकनीकी), श्री चिंतन शाह और अन्य वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों के साथ आज विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में इरेडा द्वारा वित्त पोषित 15 मेगावाट अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) प्लांट का दौरा किया । इरेडा की टीम के साथ अध्यक्ष (एपी प्रोजेक्ट्स), श्री एम.वी.चारी और जेआईटीएफ अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (जेयूआईएल) के अन्य अधिकारी भी थे।

इरेडा ने आंध्र प्रदेश में क्रमशः विशाखापत्तनम और गुंटूर में 15 मेगावाट अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) के दो प्लांटों को वित्त पोषित किया है। इन प्लांटों को जेआईटीएफ अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (जेयूआईएल) (पीआर जिंदल ग्रुप) द्वारा कमीशन किया गया है, जिन्होंने 109 मेगावाट की संयुक्त बिजली उत्पादन क्षमता के साथ कई डब्ल्यूटीई परियोजनाओं को कार्यान्वित किया है।

इरेडा के सीएमडी ने दौरे के दौरान कहा कि, "डब्ल्यूटीई प्लांट को केवल एक बिजली प्लांट के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन की लगातार बढ़ती समस्या और पर्यावरण पर इसके प्रभाव के समाधान के रूप में देखा जाना चाहिए। ऐसे प्लांट भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के विजन का समर्थन करेंगे"।

15 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने के लिए प्लांट को प्रतिदिन 1200 टन कचरे की आवश्यकता होती है। ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम (जीवीएमसी) घरों से कचरे को इकट्ठा करके रीसाइक्लिंग प्लांट को 940 टन ठोस कचरा उपलब्ध करा रहा है। यह निगम श्रीकाकुलम, विजयनगरम और नेल्लीमारला नगर पालिकाओं से 260 टन कचरे के ट्रांसपोर्ट करने के लिए विचार कर रहा है।

1 मेगावाट की डब्ल्यूटीई प्लांट प्रति वर्ष ~ 10 एकड़ की भूमि बचत और प्लांट के जीवन काल पर ~ 250 एकड़ में योगदान देता है। इसके अलावा, प्लांट प्रति दिन ~25 टन की C02 के उत्सर्जन में कमी करते हुए समाज और पर्यावरण के लिए योगदान देता है। इसके अलावा, 1 टन कचरे के प्रोसेसिंग से 230 केडब्ल्यूएच स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन होता है।

'स्वच्छ और हरित ऊर्जा' को महत्व देने के लिए, इरेडा के सीएमडी और इरेडा के निदेशक (तकनीकी) ने भी वृक्ष लगाए।

PRESS RELEASE

CMD IREDA visits Jindal Group's Waste-to-Energy (WTE) plant in Vizag (Andhra Pradesh)

New Delhi, 23rd April, 2022

Chairman and Managing Director, IREDA, Shri Pradip Kumar Das along with Director (Technical), IREDA, Shri Chintan Shah and other Senior Management officials visited IREDA funded 15 MW Waste-To-Energy (WTE) Plant at Visakhapatnam, Andhra Pradesh today. IREDA's team was accompanied by Shri M.V.Chary, President (AP Projects) and other officials of JITF Urban Infrastructure Ltd (JUIL).

IREDA has funded two 15MW WTE Plants in Andhra Pradesh at Vishakapatnam and Guntur, respectively. The plants are commissioned by JITF Urban Infrastructure Ltd (JUIL) (P R Jindal Group), who have implemented several WTE projects with a combined Power generation capacity of 109 MW.

During the visit, CMD IREDA said, "The WTE plant should not be seen merely as a power plant, but as a solution to the ever-growing problem of waste management and its impact on the environment. Such plants will support Government of India's vision of Swachh Bharat Abhiyaan".

In order to generate 15 MW of power, the plant requires 1200 tonnes of waste per day. Greater Vishakapatnam Municipal Corporation (GVMC) is providing 940 tonnes of solid waste to the recycling plant after collecting it from households. The corporation is mulling to transport 260 tonnes of waste from Srikakulam, Vizianagaram and Nellimarla municipalities.

1 MW of WTE plant contributes by land saving of ~10 Acres per annum and ~250 acres over the life of the plant. In addition, the plant contributes to the society and environment by emission reduction of ~25 tonnes of C02 per day. Further, by processing 1 tonne of waste, the production of 230 kWh of clean energy is generated.

To mark the importance of 'Clean and Green Energy', IREDA's CMD and Director (Technical) also planted tree saplings.